वर्ष-18 अंक-92 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, रविवार 26 जनवरी 2025

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

RNI No.- UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

# सीएसए कुलपति ने विश्वविद्यालय को भेंट की भारतीय संविधान की प्रति

## केंद्रीय पुस्तकालय में रखी जाएगी

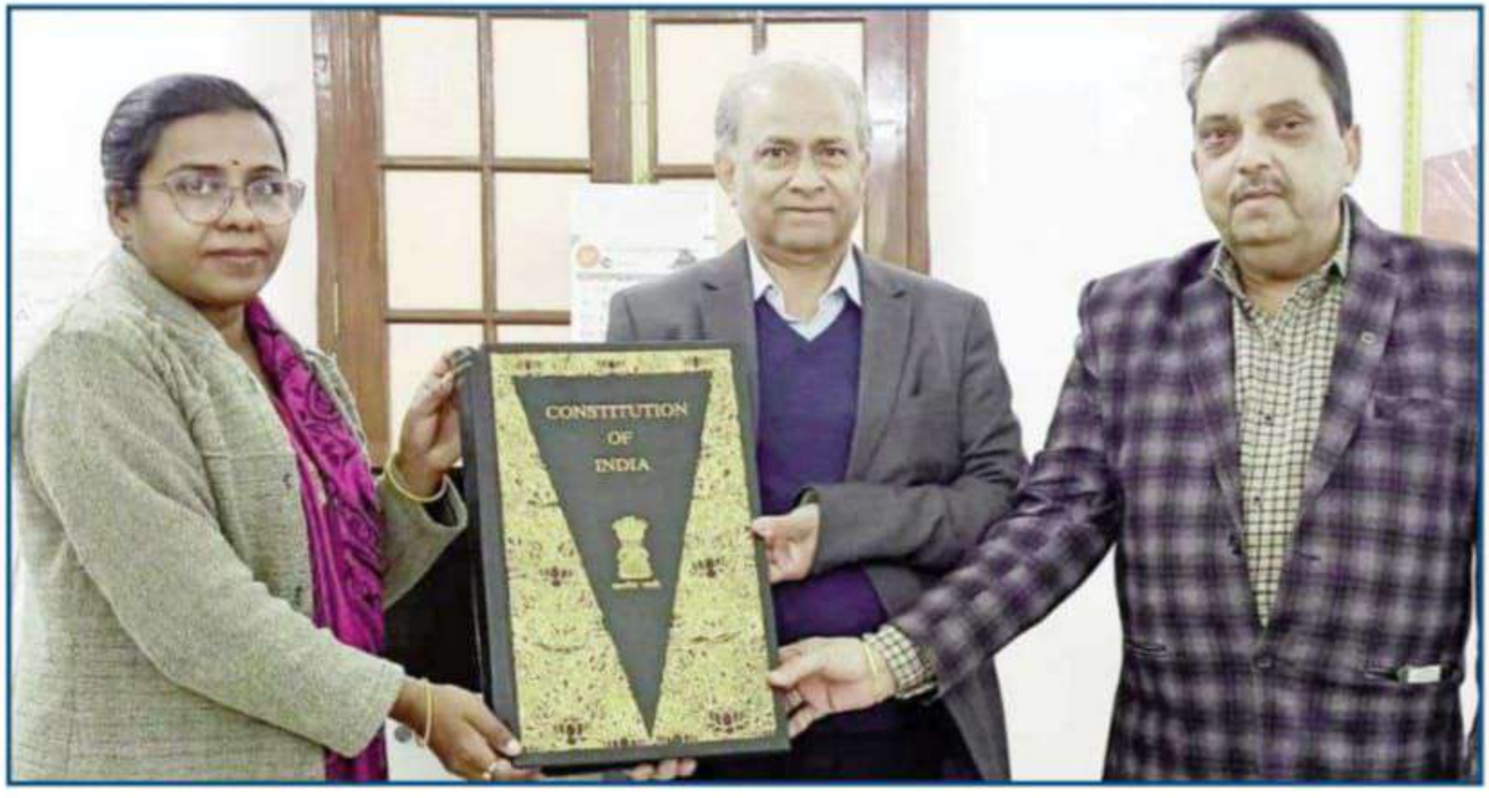




**कानपुर (नगर छाया समाचार)।** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय हेतु भारतीय संविधान की प्रति सौंपी है। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में हजारों विश्व स्तरीय पुस्तकों से युक्त अत्यंत समृद्ध लाइब्रेरी है। जिसमें वर्ष 1841 का जर्नल द जर्नल ऑफ द रॉयल एग्रीकल्चरल सोसाइटी ऑफ इंग्लैंड तथा वर्ष 1887 की द स्पाइसेज ऑफ फाईकस ऑफ़ द इंडो-मलायन एंड चाइनीज कंट्रीज नामक पुरातन पुस्तकें एवं जर्नल उपलब्ध है इसके अतिरिक्त सेंसस आफ इंडिया 1872,1891 एवं 1912 भी है जबकि उत्तर प्रदेश विधानसभा रिपोर्ट 1960 से 1990 तक पुस्तकालय में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कृषि, डेरी प्रौद्योगिकी, कृषि इंजीनियरिंग, मत्स्य,उद्यान एवं कृषि प्रबंधन की उत्कृष्ट शिक्षा देने के साथ ही विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के सरोकारों से भी जोड़ने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि भारतीय संविधान को बनाने में 2 साल 11 महीने और 18 दिन का समय लगा था। भारतीय संविधान की मूल प्रति हस्तलिखित है जिसे कैलीग्राफी में लिखा गया था। भारतीय संविधान नागरिकों को सिर उठाकर जीने का अधिकार प्रदान करता है कुलपति ने बताया कि भारतीय संविधान की प्रति विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में रखी जाएगी जो हमेशा छात्र छात्राओं के मध्य आकर्षण का केंद्र रहेगी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

# यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 नई ऊंचाइयों को पाने और राष्ट्रीय उत्तरदायित्वों को आत्मसात करने का महान पर्व

करिश्मा तन्ना ने दिखाया रॉयल अंदाज

वर्ष :10 | अंक :341 | लखनऊ से प्रकाशित | लखनऊ ,रविवार 26 जनवरी 2025 | पृष्ठ : 08

# कुलपति ने विश्वविद्यालय को भेंट की भारतीय संविधान की प्रति

**यूपी मैसेंजर संवादाता**

कानपुर, सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय हेतु भारतीय संविधान की प्रति सौंपी है। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में हजारों विश्व स्तरीय पुस्तकों से युक्त अत्यंत समृद्ध लाइब्रेरी है। जिसमें वर्ष 1841 का जर्नल द जर्नल ऑफ द रॉयल एग्रीकल्चरल सोसाइटी ऑफ इंग्लैंड तथा वर्ष 1887 की रुद स्पाइसेज ऑफ फाईकस ऑफ द इंडो-मलायन एंड चाइनीज कंट्रीज नामक पुरातन पुस्तकें एवं जर्नल उपलब्ध है इसके अतिरिक्त सेंसस आफ इंडिया 1872,1891 एवं 1912 भी है जबकि उत्तर प्रदेश विधानसभा रिपोर्ट 1960 से 1990 तक पुस्तकालय में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कृषि, डेरी प्रौद्योगिकी, कृषि इंजीनियरिंग, मत्स्य,उद्यान एवं कृषि प्रबंधन की उत्कृष्ट शिक्षा देने के साथ ही विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के सरोकारों से भी जोड़ने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि भारतीय संविधान को बनाने में 2 साल 11 महीने और 18 दिन का समय लगा था। भारतीय संविधान की मूल प्रति हस्तलिखित है जिसे कैलीग्राफी में लिखा गया था। भारतीय संविधान नागरिकों को सिर उठाकर जीने का अधिकार प्रदान करता है कुलपति ने बताया कि भारतीय संविधान की प्रति विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में रखी जाएगी जो हमेशा छात्र छात्राओं के मध्य आकर्षण का केंद्र रहेगी।

# अमर भारती

एक उम्मीद

स्करण

03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com रविवार, 26 जनवरी 2025, शक सम्वत् 19


## कुलपति ने विश्वविद्यालय को भेंट की भारतीय संविधान की प्रति

**कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)।** सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय हेतु भारतीय संविधान की प्रति सौंपी है। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में हजारों विश्व स्तरीय पुस्तकों से युक्त अत्यंत समृद्ध लाइब्रेरी है। जिसमें वर्ष 1841 का जर्नल द जर्नल ऑफ द रॉयल एग्रीकल्चरल सोसाइटी ऑफ इंग्लैंड तथा वर्ष 1887 की द स्पाइसेज ऑफ फाईकस ऑफ़ द इंडो-मलायन एंड चाइनीज कंट्रीज नामक पुरातन पुस्तकें एवं जर्नल उपलब्ध है इसके अतिरिक्त सेंसस आफ इंडिया 1872,1891 एवं 1912 भी है जबकि उत्तर प्रदेश विधानसभा रिपोर्ट 1960 से 1990 तक पुस्तकालय में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कृषि, डेरी प्रौद्योगिकी, कृषि इंजीनियरिंग, मत्स्य,उद्यान एवं कृषि प्रबंधन की उत्कृष्ट शिक्षा देने के साथ ही विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के सरोकारों से भी जोड़ने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि भारतीय संविधान को बनाने में 2 साल 11 महीने और 18 दिन का समय लगा था। भारतीय संविधान की मूल प्रति हस्तलिखित है जिसे कैलीग्राफी में लिखा गया था।

32.0°
अधिकतम
21.0°
न्यूनतम

www.twitter.com/
worldkhabarexpress

www.facebook.com/
worldkhabarexpress

www.youtube.com/
worldkhabarexpress

WORLD
खबरें एक्सप्रेस

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी गौरव को सारी सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इस मौजूद रहे। प्रकाश डाला। राजनीति शास्त्र को योगदान देना चाहिए।

# चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में भारतीय संविधान की प्रति सौंपी गई

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय के लिए भारतीय संविधान की एक प्रति भेंट की है। यह प्रति विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में रखी जाएगी, जहां यह छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बनेगी। कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी में पहले से ही विश्व स्तरीय पुस्तकें और जर्नल उपलब्ध हैं। इनमें 1841 का जर्नल द जर्नल ऑफ द रॉयल एग्रीकल्चरल सोसाइटी ऑफ इंग्लैंड और 1887 की द स्पाइसेज ऑफ फाईकस ऑफ़ द इंडो-मलायन एंड चाइनीज कंट्रीज जैसी पुरातन पुस्तकें और जर्नल शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि विश्वविद्यालय कृषि, डेरी प्रौद्योगिकी, कृषि इंजीनियरिंग, मत्स्य, उद्यान और कृषि प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ छात्रों को समाज और राष्ट्र के सरोकारों से भी जोड़ने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि भारतीय संविधान को बनाने में 2 साल 11 महीने और 18 दिन का समय लगा था। भ
ारतीय संविधान की मूल प्रति हस्तलिखित है जिसे कैलीग्राफी में लिखा गया था। भारतीय संविधान नागरिकों को सिर उठाकर जीने का अधिकार प्रदान करता है।

आर. एस. नर्सिंग होम